सीएम युवा योजना

घर की जिम्मेदारियों के साथ उद्यम की उड़ान भर रहीं महिलाएं

एक साल में 600 महिलाओं ने शुरू किए स्टार्टअप

आशीष गुप्ता

लखनऊ। महिलाओं को उद्यमी बनाने की दिशा में पिछले साल लॉन्च हुई सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान का सबसे अहम रोल रहा है। एक साल के अंदर ही 600 महिलाओं ने 29 करोड़ से ज्यादा के प्रोजेक्ट शुरू किए हैं। इस योजना के तहत पांच लाख तक बिना गारंटी व ब्याज के कर्ज की व्यवस्था है।

इसके बाद एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत तीन साल में अब तक 139 महिला उद्यमियों ने 13.76 करोड़ के उद्यम स्थापित किए हैं। योजना में 25 लाख तक की पूंजी पर 25 प्रतिशत मार्जिन मनी मिलती है। वहीं, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत तीन साल में अब तक 130 महिला उद्यमियों ने 13.89 करोड़ के उद्यम स्थापित किए हैं। (संवाद)

नौकरी छोड़कर शुरू किया खुद का बुटीक

कभी घर की जिम्मेदारियों के साथ फैशन हाउस में काम करने वाली अर्चना पांडे ने दो साल पहले अपनी सहयोगी माधवी कश्यप के साथ मिलकर बुटीक व प्रोडक्शन हाउस कंपनी की शुरुआत की। ओडीओपी योजना के तहत 5 लाख रुपये का कर्ज लिया और मुंशी पुलिया के पास स्टोर खोला। उनका कहना है कि दो साल बाद कर्ज खत्म होने को है। सारे खर्च निकल जा रहे हैं। ओडीओपी योजना ने सपनों को उड़ान दी है।

तीन वित्तीय वर्षों में महिला उद्यमियों की स्थिति

योजना	(2023-24)	(2024-25)	(2025-26)
सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान	शुरू नहीं	210	390
ओडीओपी वित्त पोषण योजना	34	24	81
सीएम युवा स्वरोजगार योजना	57	61	12

पढ़ाई के बाद शुरू किया उद्यम

बीकेटी की रिचा सक्सेना बताती हैं कि टेक्सटाइल प्रोडक्शन में बीटेक करने के बाद दो साल पहले पीएमईजीपी योजना के तहत 25 लाख का कर्ज लिया। चिकनकारी मैन्युफैक्चरिंग के साथ खादी की मैन्युफैक्चरिंग में हाथ आजमाया। आज 3000 बुनकरों के साथ खादी के कपड़े व 150 कारीगरों के साथ चिकनकारी उत्पाद तैयार कर रही हैं। अपने उद्यम से 2000 से ज्यादा लोगों को रोजगार से जोड़ा है। निर्यात भी करती हैं।

टीशर्ट प्रिंटिंग का सेटअप

गोमतीनगर स्थित वास्तुखंड में रहने वाली शिखा श्रीवास्तव बताती हैं कि उन्होंने ग्रेजुएशन किया है। इसके बाद जयपुर में कंप्यूटर ऑपरेटर की नौकरी की। लेकिन, मन न लगने पर सालभर पहले वह लखनऊ आ गईं और टीशर्ट प्रिंटिंग का सेटअप स्थापित किया। अच्छे ऑर्डर मिल रहे हैं।